

# डॉ. एंथोनी जे. टोमासिनो, यीशु से पहले यहूदी धर्म, सत्र 8, हसमोनियन राजवंश

© 2024 टोनी टोमासिनो और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. एंथोनी टॉमसिनो और यीशु से पहले यहूदी धर्म पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 8 है, हसमोनियन राजवंश।

तो, जब हमने पिछली बार अपने नायकों को छोड़ा था, तो जूडस मैकाबीस हाल ही में युद्ध में मर गया था और उसके भाई जोनाथन ने हसमोनियन सैनिकों की कमान संभाली थी और विद्रोह का नेता बन गया।

यहाँ एक दिलचस्प बात यह है कि एल्किमस, महायाजक जो हेलेनाइजिंग पार्टी का नेता था, जोनाथन के पदभार संभालने के कुछ समय बाद ही मर गया। और हम नहीं जानते कि उस समय उसकी जगह किसने ली। अब, यह एक महत्वपूर्ण बात बन जाती है। यह थोड़ा रहस्यमय है, क्योंकि कुछ विद्वान कहते हैं कि शायद कार्यालय खाली था।

उस समय कोई भी उच्च पुजारी के रूप में सेवा नहीं कर रहा था, जिस पर मुझे विश्वास करना बहुत मुश्किल है क्योंकि, आप जानते हैं, उच्च पुजारी प्रायश्चित दिवस के अनुष्ठान जैसे काम करने के लिए जिम्मेदार थे, जो यहूदी लोगों के सामूहिक अपराध को दूर करता था। मुझे नहीं लगता कि आप इसे संयोग या किसी और चीज़ पर छोड़ना चाहते हैं। अन्य लोग कहते हैं कि शायद जोनाथन उच्च पुजारी के रूप में सेवा कर रहा था, जो भी मेरे लिए कोई मतलब नहीं रखता है, क्योंकि अगर जोनाथन उस समय उच्च पुजारी होता, तो मुझे पूरा यकीन है कि मैकाबीज़ की किताबें हर जगह इसका जश्र मना रही होतीं।

तो, मैं बस यह पता लगाने जा रहा हूँ कि शायद यहाँ जो हो रहा है वह यह है कि जो भी इस समय कार्यालय में स्थापित किया गया था वह बहुत ही अहानिकर और बहुत ही अस्मरणीय था। और यही कारण है कि किसी ने भी उसका नाम याद रखने की जहमत नहीं उठाई। लेकिन वैसे भी, अब हमारे पास जोनाथन है जो 161 से 142 ईसा पूर्व तक सत्ता संभाल रहा है, वह इस विद्रोह का नेतृत्व करने जा रहा है।

जोनाथन मिशमाश शहर में एक तरह का सरकारी केंद्र स्थापित करता है। और मिशमाश एक ऐसा शहर है जो यरुशलम से थोड़ी दूर है। हम नहीं जानते कि इस समय यरुशलम को कौन चला रहा है।

हम जानते हैं कि बहुत से लोग न्याय पाने के लिए मिशमाश आ रहे थे। और यह मुझे उस कहानी की याद दिलाता है जब राजा डेविड के बेटे अबशालोम ने एक तरह से अनुपस्थित सरकार स्थापित की थी, जहाँ वह निर्णय सुना रहा था जबकि उसका पिता डेविड महल में तड़प रहा था। लेकिन ऐसा लगता है कि यहाँ यही हो रहा है।

मिशमाश की सरकार और जोनाथन का काम लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय था। और मदद के लिए जोनाथन के पास जाने वाले लोगों की संख्या उस समय यरूशलेम को चलाने वाले लोगों से ज्यादा थी। अब, मैकाबीज़, हम पहले ही उसके बारे में थोड़ी बात कर चुके हैं, मैकाबीज़ ने पूरे यहूदिया में कई किले बनाने शुरू कर दिए और इस जगह को सेल्यूसिड साम्राज्य के लिए सुरक्षित करने की कोशिश की।

एक बार फिर, सीरिया में हमें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि डेमेट्रियस। और अलेक्जेंडर बल्लास नाम के एक व्यक्ति के बीच प्रतिद्वंद्विता है, दोनों ही शाही परिवार का हिस्सा हैं, दोनों ही अब सिंहासन के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। बल्लास, हम वास्तव में नहीं जानते कि उसका परिवार से क्या संबंध है। कुछ लोगों को लगता है कि उसका कोई संबंध नहीं था।

लेकिन किसी भी हालत में, उसे बहुत लोकप्रियता मिली हुई थी। यहूदियों की सबसे ज्यादा ताकतवर आबादी का समर्थन पाने के लिए उसने योनातन को यरूशलेम का महायाजक नियुक्त किया। यह उसका अनुग्रह पाने के लिए था।

यह उसे एक सहयोगी के रूप में रखना था, उसे अपने करीब रखना था, और इसी तरह। हालाँकि, यहूदी लोगों के लिए इसमें एक बड़ी समस्या है, क्योंकि यह परंपरा से एक बड़ा बदलाव है। अब, वह पुजारियों के परिवार से है, यह सच है।

लेकिन सुलैमान के दिनों से ही महायाजक मूल रूप से एक बड़े परिवार से लिया जाता था, सादोक नाम के एक व्यक्ति का परिवार। सादोक महायाजक वंश अच्छी तरह से स्थापित था। और परमेश्वर ने सादोक परिवार के साथ यह वाचा बाँधी थी कि वे हमेशा के लिए महायाजक रहेंगे।

अब, हम इस हसमोनियन को, जो सादोकाइट वंश का हिस्सा नहीं है, महायाजक नियुक्त करके उस परंपरा को तोड़ रहे हैं। इसलिए, 153 ईसा पूर्व में, झोपड़ियों का पर्व जोनाथन का पहला आधिकारिक कार्य है। इस समय, वह एक महायाजक के रूप में अध्यक्षता करता है।

बालास उसे सम्मान देना जारी रखता है। वह उसे यरूशलेम का स्ट्रेटिगोस बनाता है। वह स्ट्रेटिगोस एक तरह का सैन्य गवर्नर है।

इसलिए न केवल वह मुख्य धार्मिक अधिकारी है, बल्कि अब वह यरूशलेम का मुख्य सैन्य अधिकारी भी है। ऐसा लगता है, कम से कम शुरू में, कि हसमोनियों ने जीत हासिल कर ली है। इसलिए, जोनाथन का पतन हो गया।

यहाँ एक ग्राफ है जो दिखा रहा है कि अब यहूदिया यहाँ थोड़ा-बहुत बढ़ रहा है। आप जानते हैं, यह कोई बहुत बड़ा राष्ट्र नहीं है, लेकिन जोनाथन यहाँ ट्रांसजॉर्डन में कुछ क्षेत्रों और यहाँ से बाहर के कुछ क्षेत्रों पर विजय प्राप्त करने और यहूदिया के क्षेत्रों के दायरे का विस्तार करने में कामयाब रहा। इसलिए, डेमेट्रियस द्वितीय 145 ईसा पूर्व में राजा बन गया।

अब, यह अलेक्जेंडर बालास का प्रतिद्वंद्वी था। अलेक्जेंडर बालास मर चुका है, और डेमेट्रियस ने जोनाथन को सीरिया बुलाया ताकि वह अलेक्जेंडर बालास का समर्थन करने के लिए उसे जवाबदेह ठहरा सके। खैर, भाग्य के उन अजीबोगरीब, विचित्र मोड़ों में से एक में, जो होता है वह यह है कि डेमेट्रियस को यहूदियों को क्षेत्र सौंपना पड़ता है।

इसलिए, जंगल में जाने के बजाय, जोनाथन सीरिया जाने से पहले की तुलना में और भी अधिक शक्ति के साथ वापस आ जाता है। लेकिन यह लंबे समय तक नहीं टिकने वाला है। एक बार फिर, सीरियाई राजनीति यहाँ कुछ संघर्षों का कारण बनने जा रही है।

सीरियाई साम्राज्य के सिंहासन के लिए एक और प्रतिद्वंद्वी, सेल्यूसिड्स, उभरता है। ट्रायफॉन नाम का एक आदमी। ट्रायफॉन अलेक्जेंडर बालास का एक सेनापति था।

वह शाही परिवार का सदस्य नहीं है। वह एक जनरल था। लेकिन उसके पास बहुत ताकत थी, और उसके पीछे सेनाएँ थीं।

और इसलिए ट्रायफॉन को शुरू में जोनाथन का समर्थन प्राप्त था, जो कि अजीब बात है क्योंकि, मुझे लगता है कि उनके बीच शायद पहले भी रिश्ता रहा होगा क्योंकि उसने अलेक्जेंडर बालास का समर्थन किया था, और यह आदमी अलेक्जेंडर बालास से जुड़ा हुआ था। खैर, ऐसा लगता है कि यह एक अच्छा कदम हो सकता था, लेकिन ट्रायफॉन को जोनाथन पर शक हो गया। उसे लगा कि जोनाथन उसके खिलाफ काम कर रहा है और उसने सोचा कि वह शायद अपने राज्य का विस्तार करने की कोशिश कर रहा है।

टोलेमेयस शहर में ले जाता है, जो यहाँ से थोड़ा उत्तर की ओर है। उसे यह दिखावा है कि वह उसे और भी बड़ा सम्मान देगा।

अब, जोनाथन के कुछ भाई इस बात से बहुत आशंकित थे। उसे चेतावनी दी गई थी कि वह न जाए। लेकिन जोनाथन चला गया, अरे, जो भी हो।

तुम्हें पता है, क्या गलत हो सकता है? खैर, जो गलत हो सकता है वह यह है कि उसे बंदी बना लिया गया और फिर मार दिया गया। इसलिए, उसके भाई, साइमन को फिर से पदभार संभालना पड़ा। साइमन को यहूदियों द्वारा उच्च पुजारी नियुक्त किया जाता है, न कि सेल्यूसिड्स द्वारा, जब जोनाथन की हत्या ट्रायफॉन द्वारा की जाती है।

अब, ट्रायफॉन फिर से राज्य पर कब्ज़ा करने की कोशिश करता है। खैर, मुझे कहना चाहिए कि यह क्षेत्र है। यह इस समय राज्य नहीं है।

इस बिंदु पर, साइमन डेमेट्रियस द्वितीय के साथ गठबंधन बनाता है, लेकिन वह और अधिक रियायत चाहता है। वह ट्रायफॉन के खिलाफ डेमेट्रियस द्वितीय की मदद करने के लिए तैयार है, अगर यरूशलेम को कर से छूट दी जाती है। यहाँ वह काफी रियायत की मांग कर रहा है।

तो, डेमेट्रियस द्वितीय सहमत है। इस बिंदु पर, हमें बताया गया है कि यहूदियों को अन्यजातियों के जुए से मुक्त कर दिया गया था, एक दिन जिसे मैकाबीज़ की पुस्तकों के इतिहास में मनाया जाता है और यहूदी इतिहास में भी इसे प्यार से याद किया जाता है। क्योंकि, इसका सामना करें, अब आप विदेशी शक्तियों को कर नहीं दे रहे हैं।

आप मूलतः स्वतंत्र हैं। इसलिए, उसे कुछ समय के लिए स्वायत्तता के साथ काम करने का मौका मिलता है। वह यहूदी क्षेत्र का विस्तार करता है।

वह गेरासा पर विजय प्राप्त करता है और जेरूसलम शहर के भीतर एक बड़े किले, एकर पर कब्ज़ा कर लेता है। वह एकर से यूनानी सैनिकों को खदेड़ देता है और क्षेत्र के कई अन्य किलों को नष्ट कर देता है। साइमन का दुखद अंत होता है, हालाँकि वह इस दौरान कई प्रशंसाएँ प्राप्त करने में सफल होता है।

यह 140 ईसा पूर्व है, वास्तव में, जब वे महान सभा कहते हैं, जहां उन्हें उच्च पुजारी और सभी यहूदी लोगों के नेता के रूप में मान्यता दी जाती है। 140 या 139 में, उनके संरक्षक, डेमेट्रियस को पार्थियनों द्वारा पकड़ लिया जाता है, फिर से। इस बिंदु पर, साइमन सिंहासन के लिए एंटीओकस VII को अपना समर्थन देता है।

एंटीओकस VII ने मांग की कि साइमन अपने द्वारा जीते गए कुछ क्षेत्रों को छोड़ दे। जब यूनानियों ने उन्हें बलपूर्वक अपने कब्ज़े में लेने के लिए अपनी सेना भेजी तो साइमन ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। साइमन और यहूदी सैनिकों ने यूनानी सेनाओं को हराया और अपने क्षेत्रों पर नियंत्रण बनाए रखने में कामयाब रहे।

साइमन के साथ जो कुछ भी होता है उसका सम्मान या ऐसी किसी चीज़ से कोई लेना-देना नहीं है। बल्कि, उसका एक दामाद है जिसका नाम टॉलेमी है। उसका दामाद उसे एक भोज पर आमंत्रित करता है।

साइमन भोज में आता है और उसका अपना दामाद उसकी हत्या कर देता है। उसका दामाद सोचता है कि वह यरूशलेम पर कब्ज़ा करने जा रहा है। यह 135 ईसा पूर्व में होता है।

खैर, तुरंत ही, हमारे सामने एक संघर्ष, उच्च पुरोहिती और यरूशलेम पर नियंत्रण के लिए संघर्ष की स्थिति आ गई है। जॉन हिरकेनस, जो साइमन का बेटा है, अब यरूशलेम पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहा है। यह वास्तव में एक दुखद, दुखद कहानी है, क्योंकि जॉन हिरकेनस का शासनकाल अच्छी तरह से शुरू नहीं होता है।

टॉलेमी यरूशलेम भाग जाता है और वह साइमन की पत्नी, जॉन हिरकेनस की माँ को बंदी बना लेता है। हर बार जब ऐसा लगता था कि हिरकेनस और उसकी सेना मंदिर परिसर में घुसने और मंदिर पर फिर से कब्ज़ा करने में सक्षम होने जा रही है, तो साइमन हिरकेनस की माँ को बाहर निकालता और उसे जान से मारने की धमकी देता। आखिरकार, उसने वास्तव में उसे मार डाला और फिर भी भागने में कामयाब रहा और मिस्र भाग गया।

तो, जॉन हिरकेनस और उसके शासनकाल पर पहली काली नज़र। 135 ईसा पूर्व में उसे एंटीओकस VII ने घेर लिया था। इस समय, यरूशलेम को घेरने और अपने सहयोगियों से अलग करने वाली यूनानियों की सेनाओं के कारण, जॉन हिरकेनस को बहुत बड़ी रियायतें देने के लिए मजबूर होना पड़ा, बहुत सारी संपत्ति, वह ज़मीन छोड़नी पड़ी जिसे उन्होंने पिछले विस्तार में जीता था।

लेकिन, बात यह है कि, एंटीओकस VII अमर नहीं था। 128 ईसा पूर्व में, एंटीओकस VII युद्ध में मर जाता है। उसके बाद सत्ता संभालने वाले डेमेट्रियस II, अपने सिंहासन को सुरक्षित रखने की कोशिश में विचलित हो जाते हैं।

इसलिए, जब वह ध्यान नहीं दे रहा था, जॉन हिरकेनस ने अपना हाथ खेलना शुरू कर दिया और अपनी शक्ति और अधिकार को पुनः प्राप्त करना शुरू कर दिया और उन भूमियों में से कुछ को फिर से जीतना शुरू कर दिया जिन्हें उसे यूनानियों को सौंपना पड़ा था। उत्तर में, वह सामरिया पर कब्जा कर लेता है, वह शहर जिसे सिकंदर महान ने एक यूनानी शहर में बदल दिया था। दक्षिण में, वह इदुमिया की भूमि पर विजय प्राप्त करता है।

इदुमिया, हम पुराने नियम से एदोम के बारे में जानते हैं। एदोम के लोगों को अरबी लोगों के आंदोलनों के कारण पश्चिम की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। और जैसे-जैसे एदोमियन पश्चिम की ओर बढ़े, उन्होंने यहूदिया के दक्षिण में अपना छोटा सा राज्य बना लिया।

वह राज्य इदुमिया के नाम से जाना गया। जॉन हिरकेनस ने इदुमिया पर विजय प्राप्त की, और उसने इदुमिया के लोगों को यहूदी धर्म अपनाने या मरने के लिए मजबूर किया। और फिर, पूर्व में, उसने ट्रांसजॉर्डन के क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की।

लेकिन, अपनी सफलता को प्राप्त करने के लिए, हिरकेनस ने कई विवादास्पद कदम उठाए। उनमें से एक था राजा डेविड की कब्र को लूटना। अब, यह आज राजा डेविड की कब्र का एक पारंपरिक स्थल है।

लेकिन, हमें जो बताया गया है वह यह है कि चूँकि वे यूनानियों के खिलाफ युद्धों में इतने कमज़ोर हो गए थे, इसलिए उन्हें पैसे की सख्त ज़रूरत थी, और डेविड की कब्र की खोज की गई, और पाया गया कि यह धन से भरा हुआ था। जॉन हिरकेनस ने उन धन का इस्तेमाल अपनी सेना के पुनर्निर्माण के लिए किया। उसने विदेशी भाड़े के सैनिकों को काम पर रखा, और यह हसमोनियों के लिए एक नया कदम था।

इस समय तक, हसमोनियन लोग मातृभूमि, देश, सम्मान और उन सभी अच्छी चीजों के लिए लड़ रहे थे। अब, उनकी सेना में ऐसे बहुत से लोग हैं जो पैसे के लिए लड़ रहे हैं। और वे हमेशा, बेशक, सबसे भरोसेमंद सैनिक नहीं होते।

एक और कदम जो उसने उठाया वह यह था कि उसने एक मंदिर को नष्ट कर दिया जिसका इस्तेमाल सामरी लोग करते थे। अब, यह सामरिया में नहीं है। यह एक सामरी मंदिर है जो गेरिज़िम पर्वत पर स्थित था।

और सामरी लोग, बेशक, कई सालों से वहाँ पूजा करते आ रहे थे। कई कारणों से सामरी और यहूदियों के बीच लंबे समय से दुश्मनी चल रही है। एक बार फिर, इससे मामले में कोई मदद नहीं मिली।

और अब आप थोड़ा बेहतर समझ गए होंगे, शायद, क्यों नए नियम में हमें बताया गया है कि यहूदियों का सामरियों से कोई संबंध नहीं है। यह वास्तव में दोनों दिशाओं में जाता है। अंत में, इदुमियों के साथ यह पूरा मुद्दा है।

अब, पूरा विद्रोह तब शुरू हुआ जब यूनानी राजा एंटिओकस एपिफेन्स ने यहूदियों को अपना धर्म त्यागने और यूनानी बनने के लिए मजबूर किया, अनिवार्य रूप से, यूनानी धर्म अपनाने के लिए। अब, जॉन हिरकेनस, अपनी विजय में, इदुमी लोगों को मौत की धमकी देकर, अपना धर्म त्यागने और यहूदी बनने के लिए मजबूर कर रहा है। आपको इस सब की विडंबना पर आश्चर्य होना चाहिए।

और एक भावना यह है कि यह बाद में उन्हें नुकसान पहुँचाने वाला है क्योंकि इदुमियन, ठीक है, आप जानते हैं, यहूदियों का इदुमियन के साथ एक लंबा इतिहास है, जो पुराने नियम तक जाता है। और यहूदियों और इदुमियन के बीच दुश्मनी का एक कारण यह था कि एदोमियों में से कुछ बड़े दास व्यापारी थे जिनके बारे में कहा जाता था कि वे थे; उन्हें यहूदा के लोगों के यहूदियों के रिश्तेदार माना जाता था। लेकिन जब बेबीलोनियों ने यहूदा को लूटा, तो एदोमियों ने बंदियों को खरीद लिया और उन्हें गुलामी में बेच दिया।

और इसलिए, भविष्यवक्ताओं की कई पुस्तकें इस बारे में बहुत ज़ोरदार तरीके से बात करती हैं कि कैसे एक दिन एदोम की भूमि का न्याय किया जाएगा। खैर, शायद जॉन हिरकेनस को लगा कि वह उस न्याय को अंजाम दे रहा है, लेकिन विडंबनाएँ अभी भी वहाँ बहुत होंगी। जॉन हिरकेनस के बाद के वर्षों में, वह वास्तव में बहुत सफल रहा, क्योंकि सीरिया में चल रही राजनीतिक साज़िशों ने उन्हें हिरकेनस के खिलाफ़ किसी भी तरह की निर्णायक कार्रवाई करने से रोक दिया।

वे एक दूसरे से लड़ने में इतने व्यस्त हैं कि वे इस समय जॉन हिरकेनस के खिलाफ़ नहीं लड़ सकते। हिरकेनस ने सामरिया पर विजय प्राप्त की, और जैसा कि मैंने पहले ही उल्लेख किया था, उसने उसे जमीन पर गिरा दिया, और यह एक बहुत ही प्रभावशाली जीत थी, यह देखते हुए कि सिकंदर महान ने उस शहर की स्थापना की थी, और उसे यूनानियों से आबाद किया था। और अब जॉन हिरकेनस सिकंदर महान के काम को खत्म कर रहा था।

वह प्राकृतिक कारणों से मरने वाले हसमोनियन लोगों में पहले व्यक्ति थे। आश्चर्यजनक रूप से, 104 ईसा पूर्व में उनकी मृत्यु वृद्धावस्था के कारण हुई थी। अब, अपनी मृत्यु से पहले, उन्होंने अपनी विधवा को अपना उत्तराधिकारी नामित किया था।

लेकिन उनके बेटे अरिस्टोबुलस के विचार दूसरे थे। अब, अरिस्टोबुलस बहुत लंबे समय तक शासन नहीं करता है। वह 104 से 103 ईसा पूर्व तक उच्च पुजारी था, लेकिन अपने पहले कार्य में,

एक बार जब उसने उच्च पुजारी का पद संभाला, तो जाहिर है, जॉन हिरकेनस की विधवा उच्च पुजारी नहीं हो सकती थी।

उसका बेटा, एरिस्टोबुलस, उच्च पुजारी का पदभार संभालता है, लेकिन वह सब कुछ चाहता है। वह सब कुछ चाहता है। और इसलिए तुरंत, वह अपनी माँ को जेल में डाल देता है, और वह अपने भाइयों को भी जेल में डाल देता है ताकि खुद को आश्वस्त कर सके कि सिंहासन के लिए कोई भी प्रतिद्वंद्वी नहीं होगा।

वह अपनी माँ को जेल में भूख से मरने देता है। उसके भाइयों को बख्शा दिया गया। उसके बारे में एक उल्लेखनीय बात यह है कि, जैसा कि आप यहाँ हमारी छोटी सी तस्वीर से देख सकते हैं, वह यह है कि वह खुद को राजा घोषित करने वाला हसमोनियों में पहला व्यक्ति है।

उसका एक भाई था, जो उसका करीबी था, जिसका नाम एंटीगोनस था। और एंटीगोनस को आज़ाद रहने की अनुमति दी गई, जबकि बाकी सभी भाई जेल में सड़ रहे थे। खैर, उसे शाही दरबार के एक सदस्य ने धोखा देकर एंटीगोनस को मरवा दिया।

जिस तरह से किया गया था, वह यह था कि उसे एक कानून पारित करने और अपने पहरेदारों को यह बताने के लिए कहा गया था कि अगर कोई भी हथियार लेकर महल में आता है, तो उसे तुरंत मौत के घाट उतार दिया जाना चाहिए। क्योंकि, जाहिर है, यह विचार था कि वे एरिस्टोबुलस के खिलाफ साजिश रच रहे होंगे। और एरिस्टोबुलस इतना पागल था कि उसे विश्वास था कि यह एक संभावना थी।

खैर, उसी दरबारी ने भाई एंटीगोनस को एक शानदार कवच और एक शानदार नई तलवार भेंट की। और कहा, तुम्हें पता है कि इसे कौन देखना चाहेगा? तुम्हारा भाई इसे देखना चाहेगा। इसलिए, एंटीगोनस अपने कवच और तलवार के साथ महल में घुस जाता है, और उसे तुरंत पहरेदारों द्वारा मार दिया जाता है।

अब, अरिस्टोबुलस पश्चाताप और दुःख से इतना अभिभूत हो गया कि वह शराब पीने लगा, जिसने अंततः उसकी जान ले ली। लेकिन इससे पहले कि वह गैलिली को जीत पाता और उसे राज्य में शामिल कर लेता। इस प्रकार हसमोनियों के पहले राजा की हत्या के एक बहुत ही अपमानजनक कृत्य से शुरुआत होती है और नशे में धुत होकर मौत के साथ समाप्त होती है, खैर, अपमानजनक शर्म।

तो, 103 ईसा पूर्व में हसमोनियन साम्राज्य। यह वह साम्राज्य है जिसे अरिस्टोबुलस ने पीछे छोड़ दिया था। आप देख सकते हैं कि यह उस समय से काफी बढ़ गया है।

बस एक छोटा सा स्प्राइट, आप जानते हैं। अब यह इस क्षेत्र तक पहुँच गया है। इसने ट्रांसजॉर्डनियन क्षेत्र पर विजय प्राप्त कर ली है।

अब हमारे पास यहाँ कुछ अच्छे बंदरगाह हो सकते हैं जहाँ हम जा सकते हैं और कुछ जहाज़ भेज सकते हैं। यहाँ हमारे पास गैलिली क्षेत्र है। यह सब हसमोनियों के राज्य में शामिल हो गया है।

अब हम एक ऐसे राज्य में पहुँच रहे हैं जो लगभग उतना ही बड़ा है जितना कि डेविड ने शासन किया था। इसलिए एरिस्टोबुलस की मृत्यु के बाद, अलेक्जेंडर जेनियस ने सत्ता संभाली, और उसका शासन काफी लंबा चला। लेकिन, अरे, अलेक्जेंडर जेनियस के बारे में क्या अच्छी बातें कही जा सकती हैं? शायद कुछ भी नहीं, सिवाय इसके कि वह राज्य को और भी अधिक विस्तारित करने में सफल रहा।

तो, वह अरिस्टोबुलस का भाई है। वह जेल में बंद लोगों में से एक था। जब वह जेल से रिहा हुआ, तो अरिस्टोबुलस की विधवा, एलेक्जेंड्रा सैलोम ने उससे शादी कर ली, और उसे राजा की भूमिका में पदोन्नत कर दिया गया।

टॉलेमीस शहर पर कब्ज़ा करने की कोशिश की, जो कि गैलिली के उत्तर में तट पर थोड़ा आगे है। वह उस सुंदर, बढ़िया तटीय शहर को जीतना चाहता था। वह टॉलेमीस पर कब्ज़ा करने में सफल नहीं हुआ।

वास्तव में, इस समय यरूशलेम की सेना टॉलेमी द्वारा पराजित हो चुकी थी। सौभाग्य से अलेक्जेंडर जानियस के लिए, एलेक्जेंड्रा सैलोम ने पहले ही कुछ शक्तिशाली मित्र बना लिए थे, जिनमें क्लियोपेट्रा III भी शामिल थी। क्लियोपेट्रा III ने मिस्र की सेना, टॉलेमी सेना को यरूशलेम में भेजा और टॉलेमी से यरूशलेम को मुक्त कराया।

उसने कुछ समय तक इस बात पर विचार किया कि क्या वह यहूदिया के राज्य को अपने राज्य में शामिल करेगी या नहीं, और एलेक्जेंड्रा सैलोम ने उसे यह समझाने में कामयाबी हासिल की कि उसके उत्तरी सीमाओं पर एक विद्रोही विषय के बजाय एक वफादार सहयोगी होना बेहतर होगा। इसलिए वह मिस्र लौट गई, और अलेक्जेंडर जेनियस अपने राज्य और यरूशलेम में अपने महल में वापस चला गया। वह फिलिस्तिया और इटेरिया और कई अन्य क्षेत्रों पर विजय प्राप्त करने में सफल रहा, जिससे राज्य का विस्तार वास्तव में उससे कहीं अधिक हो गया जितना कि वह पहले था, शायद सुलैमान के दिनों तक।

उम, वह, ठीक है, यहाँ हम चलते हैं, हम यहाँ अपना नक्शा देखने जा रहे हैं, देखें? यहाँ तक, टॉलेमीयस इस क्षेत्र में ऊपर है, यहाँ तक कि नीचे, इस बिंदु तक वास्तव में काफी मजबूत और काफी शक्तिशाली साम्राज्य है। और बहुत सारे कारण हैं जिनसे आपको लगता है कि यहूदिया के लोगों को इस बात पर गर्व होगा कि उन्होंने क्या हासिल किया है। लेकिन इस अलेक्जेंडर जेनियस साथी के साथ कई समस्याएँ थीं।

उसके पास बहुत सी घरेलू समस्याएँ थीं। सबसे पहले, वह फरीसियों के बीच बेहद अलोकप्रिय था। और फरीसी शुरू से ही इन हसमोनियन लोगों को ज़्यादातर पसंद नहीं करते थे।

जॉन हिरकेनस के बारे में एक कहानी कही जाती है कि, ज़्यादातर मामलों में, रब्बी जॉन हिरकेनस को पसंद करते हैं जब वे उसके शासनकाल को देखते हैं। उह, लेकिन, उह, जब जॉन हिरकेनस कुछ फरीसियों को प्रायोजित कर रहा था, और उन्हें एक पार्टी दे रहा था, और उसने उनसे पूछा, तो मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ? और उन्होंने कहा, ठीक है, तुम, उह, उच्च पुजारी पद से हट सकते हो क्योंकि तुम उच्च पुजारी बनने के योग्य नहीं हो। यह ज़ैनक की वंशावली का कोई व्यक्ति होना चाहिए।

और जॉन हिरकेनस ने मना कर दिया। उस समय से, फरीसियों और हसमोनियन के बीच तनाव था, इसलिए उसे उनके साथ समस्याएँ हो रही थीं।

टैबर्नैकल्स के पर्व में एक प्रसंग दर्ज है, जहाँ अलेक्जेंडर जेनियस की अलोकप्रियता के कारण, उसे शराब पीने और कई मायनों में अनैतिक व्यक्ति होने के लिए जाना जाता था। हमें बताया गया है कि टैबर्नैकल्स के पर्व पर, लोगों के पास एक नींबू का फल होता था जिसे वे अपने हाथ में पकड़ते थे और एक लुलाव झाड़ी होती थी। खैर, जब अलेक्जेंडर जेनियस टैबर्नैकल्स के पर्व की अध्यक्षता करने के लिए अपने वस्त्रों में परेड कर रहा था, तो लोगों ने उस पर नींबू फेंकना शुरू कर दिया।

और इससे वह खुश नहीं हुआ। उसने अपने सैनिकों को भीड़ पर हमला करने का आदेश दिया। और उस समय बहुत से यहूदियों को उनके अपने ही महायाजक ने मार डाला।

खैर, आप जानते हैं, उन्होंने इसे भड़काया, मुझे लगता है कि आप कह सकते हैं, लेकिन फिर भी। 88 ईसा पूर्व में, फरीसियों ने फैसला किया कि वे उच्च पुरोहिती के इस अपवित्र ढांगी से तंग आ चुके हैं। और इसलिए, उन्होंने एक समझौता किया।

उन्होंने डेमेट्रियस तृतीय युकारिस्ट के साथ एक समझौता किया, जो उस समय सॉल्यूशन साम्राज्य का नेता था। उन्होंने डेमेट्रियस से यरूशलेम आकर उसका नियंत्रण अपने हाथ में लेने को कहा ताकि वे अपने आदमी को महायाजक के पद पर बिठा सकें और इन लोगों को राजा के पद से हटा सकें। जाहिर है, दाऊद के वंश के अलावा किसी और के राजा बनने का विचार कई यहूदियों के लिए बहुत अपमानजनक था।

खैर, हुआ यह कि जब डेमेट्रियस की सेना ने यरूशलेम पर चढ़ाई शुरू की, तो ऐसा लगा कि अलेक्जेंडर जेनियस का अंत होने वाला है। लेकिन यरूशलेम के नागरिकों ने जब देखा कि ये यूनानी सेना उनके शहर पर आक्रमण करने वाली है, तो वे जेनियस की रक्षा के लिए उठ खड़े हुए। और वे यूनानी सेना से लड़ने में सफल रहे।

खैर, जेनियस ने फरीसियों के सभी नेताओं को सूली पर चढ़ाकर इस घटना का जवाब दिया। अलेक्जेंडर जेनियस द्वारा यरूशलेम शहर के बीच में 800 फरीसियों को सूली पर चढ़ाया गया। और हमें बताया गया है, उन छोटे-छोटे भयानक विवरणों में से एक में, कि अलेक्जेंडर अपने महल के एक बरामदे में था, जहाँ से उसे पूरी घटना का अद्भुत दृश्य दिखाई दे रहा था, वह अपनी रखैलों और वेश्याओं के साथ मौज-मस्ती कर रहा था, जबकि फरीसियों के नेता नीचे मर रहे थे।

ओह, और मुझे यह भी बताना चाहिए कि जब लोग क्रूस पर मर रहे थे, तो उसने उनके परिवारों को बाहर निकाला और उनके परिवारों को भी मार डाला। उसकी मृत्यु 76 ईसा पूर्व में हुई। और अपने भाई की तरह, उसने भी शराब पीकर अपनी जान दे दी।

इसलिए, उनकी मृत्यु के बाद, हम पाते हैं कि एलेक्जेंड्रा सलोमी को अब यरूशलेम का नियंत्रण प्राप्त है। और यह एक तरह से लोकप्रिय प्रशंसा थी। एलेक्जेंड्रा सलोमी उन लोगों में से एक थी जिन्हें अपने पति की बेवफाई का शिकार माना जाता था।

यह कुछ हद तक आधुनिक राजनीति जैसा लगता है। लेकिन अलेक्जेंडर जानियस द्वारा जिस तरह से उनके साथ व्यवहार किया गया था, उसके कारण वह एक बहुत लोकप्रिय राजनीतिक हस्ती बन गई। और इसलिए उन्हें जूडिया की रानी की भूमिका में पदोन्नत किया गया।

और यहाँ भाग्य का एक विडंबनापूर्ण मोड़ है: पिछली बार जब यहूदियों के पास एक रानी थी, तो यह इतना अच्छा नहीं रहा था। यह अथालिया नाम की एक महिला थी। तो, इस बार, दूसरी ओर, यह वास्तव में बहुत अच्छा काम किया, आप कह सकते हैं।

वह एरिस्टोबुलस और जेनियस दोनों की विधवा थी। आप जानते हैं, 841 ईसा पूर्व में अथालिया रानी थी, और उसने अपने बच्चों को मार डाला था और सिंहासन पर कब्जा करने की कोशिश की थी। वह एक लोकप्रिय महिला नहीं थी।

दूसरी ओर, एलेक्जेंड्रा सलोमी एक बहुत लोकप्रिय महिला थी। उसने जननेयस की नीतियों को उलट दिया, और सद्रूकियों का पक्ष लेने के बजाय, उसने फरीसियों के प्रति समझौता दिखाना शुरू कर दिया। फरीसी बहुत सारे सार्वजनिक पद लेने लगे।

और यह वाकई दिलचस्प है। मैं कल्पना करता हूँ कि अगर आप सद्रूकी होते, तो आप इस सब से नाराज़ होते, क्योंकि सद्रूकियों को उनके प्रशासन के दौरान सार्वजनिक पद से वंचित कर दिया गया था, जबकि फरीसियों को सभी सुविधाएँ मिल रही थीं। बाद के रब्बियों के अनुसार, जो फरीसियों को अपने नायक और अपने पूर्वज और इस तरह की सभी चीज़ों के रूप में मानते थे, यह एक बड़ी बात है।

यह एक स्वर्ण युग है। सद्रूकियों ने शायद इसे इस तरह से नहीं देखा। उसने कोई महत्वपूर्ण सैन्य विजय नहीं की, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि उसने कोई क्षेत्र भी नहीं खोया।

इसलिए, अधिकांश भाग के लिए, ऐसा लग रहा था कि उनका शासनकाल सफल रहा। अधिकांश भाग के लिए, उन्होंने शांति और सुरक्षा का आनंद लिया, और कुछ हद तक घोटाले की कमी थी, जो कुछ समय के लिए एक अच्छी बात थी। लेकिन एलेक्जेंड्रा सैलोम के गुजर जाने के बाद, तब वास्तव में परेशानियाँ शुरू हुईं।

देखिए, इस समय उसके दो बेटे हैं। उनमें से एक, हेराक्लियस द्वितीय, उच्च पुजारी के रूप में सेवा कर रहा था, और एलेक्जेंड्रा ने उसे अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया। उसका दूसरा बेटा, एरिस्टोबुलस द्वितीय नाम का एक व्यक्ति था, वह सेनाओं का प्रभारी था।

वह एक तरह से सैन्य नेता था। जब एलेक्जेंड्रा अपनी मृत्युशैया पर थी, तब अरिस्टोबुलस ने अपनी चाल चली। उसने उच्च पुरोहिती पर कब्ज़ा कर लिया।

वह खुद को यहूदिया का राजा घोषित करता है और अपने भाई को निर्वासन में भेज देता है। तो, यह संघर्ष की अवधि शुरू होती है जो वास्तव में हसमोनियन राजवंश के पतन का कारण बनने जा रही है। हम बाद के व्याख्यान में उन घटनाओं के बारे में बात करेंगे।

यह डॉ. एंथनी टोमासिनो और यीशु से पहले यहूदी धर्म पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 8 है, हसमोनियन राजवंश।